

श्रीः
श्रीमते रामानुजाय नमः
श्रीमते निगमान्तमहादेशिकाय नमः

प्रतिरादिभयङ्कर श्री अनन्ताचार्य रिरचितं
॥ श्रीरेक्कटेश मङ्गलाशासनम् ॥

This document has been prepared by

Sunder Kidāmbi

with the blessings of

श्री रङ्गरामानुज महादेशिकन्

His Holiness śrīmad āṇḍavan śrīraṅgam

श्रीः
श्रीमते रामानुजाय नमः
श्रीमते निगमान्तमहादेशिकाय नमः

॥ श्रीरेकटेश मङ्गलाशासनम् ॥

प्रियः कान्ताय कल्याणनिधये निधयेर्थिनाम्।
श्रीरेकटनिरासाय श्रीनिरासाय मङ्गलम् ॥ 1 ॥

लम्ह्रीसरिद्रमालोक सुद्ररिद्रम चम्बुषे।
चम्बुषे सरलोकानां रेकटेशाय मङ्गलम् ॥ 2 ॥

श्रीरेकटाद्रि शृङ्गाग्र मङ्गलाभरणाङ्घ्रये।
मङ्गलानां निरासाय श्रीनिरासाय मङ्गलम् ॥ 3 ॥

सरारयरसौन्दर्यसम्पदा सरचेतसाम्।
सदा सम्मोहनायास्तु रेकटेशाय मङ्गलम् ॥ 4 ॥

नित्याय निररद्याय सत्यानन्दचिदात्मने।
सरान्तरात्मने श्रीमद्वेकटेशाय मङ्गलम् ॥ 5 ॥

स्वतस्सररिदे सरशक्तये सरशेषिणे।
सुलभाय सुशीलाय रेकटेशाय मङ्गलम् ॥ 6 ॥

परस्मै ब्रम्हणे पूर्णकामाय परमात्मने।
प्रयुञ्जे परतद्भाय रेकटेशाय मङ्गलम् ॥ 7 ॥

आकालतद्भ्रमश्राप्तमात्मनामनुपश्यताम्।
अतृप्यमृतरूपाय रेकटेशाय मङ्गलम् ॥ 8 ॥

प्रायस्स्वचरणौ पुंसां शरण्यंरेन पाणिना।
कृपया दिशते श्रीमद्वेकटेशाय मङ्गलम् ॥ 9 ॥

দযামৃততরঙ্গিণ্যাস্তরঙ্গৈরির শীতলৈঃ।
অপাগ্নৈস্সিঞ্চতে রিশ্বং রেঙ্কটেশায় মঙ্গলম্ ॥ 10 ॥

শ্রুণ্ডুষাম্বরহেতীনাং সুষমাহহরহমূর্তযে।
সর্বার্তিশমনাযাস্তু রেঙ্কটেশায় মঙ্গলম্ ॥ 11 ॥

শ্রীরৈকুণ্ঠরিরক্তায় শ্রামিপুঙ্করিণীতটে।
রমযা রমমাণায় রেঙ্কটেশায় মঙ্গলম্ ॥ 12 ॥

শ্রীমৎসুন্দরজামাতৃমুনিমানসরাসিনে।
সর্লোকনিরাসায় শ্রীনিরাসায় মঙ্গলম্ ॥ 13 ॥

মঙ্গলাশাসনপরৈর্মদাচার্যপুরোগমৈঃ।
সর্বেশ্চ পূর্ৱৈরাচার্যৈস্সংকৃতায়াস্তু মঙ্গলম্ ॥ 14 ॥

॥ ইতি শ্রীরেঙ্কটেশ মঙ্গলাশাসনং সমাপ্তম্ ॥